भा.कृ.अनु.प.- राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलूरु में 21 मार्च, 2025 को "राजभाषा कार्यशाला " का आयोजन

भा.कृ.अनु.प.- राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलूरु में "राजभाषा कार्यशाला" का आयोजन 21 मार्च, 2025 को किया गया। "राजभाषा कार्यशाला" का उद्घाटन ब्यूरो के निदेशक डॉ. एस एन. सुशील ने किया। इस अवसर पर ब्यूरो के विभागाध्यक्ष- जीनोमिक संसाधन, डॉ. टी. वेंकटेशन, विभागाध्यक्ष- जननद्रव्य संग्रहण एवं लक्षणीकरण, डॉ. सुनील जोशी; वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, श्री जे. मैथ्यू; मुख्य अतिथि श्री अनिर्बान कुमार बिश्वास, उप निदेशक (राजभाषा कार्यान्वयन) गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, भारत सरकार, बेंगलूरू और श्री राज भवन, सदस्य सचिव, नराकास (का-4), केन्द्रीय विनिर्माणकारी प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलूरू की गरिमामायी उपस्थिति में दीप प्रज्वलित करके भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के गीत के साथ हिंदी कार्यशाला की शुरुआत हुई।

ब्यूरो के निदेशक डॉ. एस एन. सुशील ने कार्यशाला के उद्घाटन भाषण में कहा कि ब्यूरो की राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा राजभाषा कार्यों और कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन का महत्वपूर्ण रूप से उत्कृष्ट कार्य किया जा रहा है। राजभाषा विभाग, भारत सरकार और परिषद से हिंदी के प्रगामी प्रयोग से संबधित तिमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा के माध्यम से सराहनीय और प्रशंसा पत्र ब्यूरो को प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने अपने सम्बोधन में समस्त कर्मचारियों को **"राजभाषा कार्यशाला"** के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएँ दी और कहा कि हमारे देश में अनेक बोलियाँ बोली जाती हैं किन्तु एकता की डोर में बाँधने का काम अगर कोई एक भाषा कर सकती है तो वो देश में सर्वाधिक बोले जाने वाली हिंदी भाषा है। निदेशक महोदय ने राजभाषा के सरल उपयोग और कार्यान्वन की महत्ता पर बल दिया।

"राजभाषा कार्यशाला" कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अनिर्बान कुमार बिश्वास, उप निदेशक (राजभाषा कार्यान्वयन) ने राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार की राजभाषा नीतियों का सरकारी कार्यालयों में अनुपालन विषय पर अपने व्याख्यान में विस्तृत रूप से जानकारी प्रतिभागियों को दी। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल सभी 22 भाषाओं का सम्मान करते हुए राजभाषा कार्यशालाएँ और उनकी नीतियों का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अनुवाद करने के लिए राजभाषा विभाग द्वारा उपलब्ध कंठस्थ एक मशीन साधित अनुवाद प्रणाली का एक भाग है जिससे अनुवाद की प्रक्रिया में सहायता मिलती है, अतः कार्यालय में राजभाषा का कार्य बढ़ाने के लिए हिंदी आई. टी. टूल्स का उपयोग अधिक से अधिक करें।

तदोपरांत, श्री राज भवन, सदस्य सचिव, नराकास (का-4), केन्द्रीय विनिर्माणकारी प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलूरू "राजभाषा हिन्दी के विभिन्न आयाम" विषय पर व्याख्यान विषय पर विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की तथा स्वरचित कविताओं से कार्यशाला में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को सामाजिक कुरुतियों से बचाने का एक संदेश प्रस्तुत किया।

राजभाषा कार्यशाला में भा.कृ.अनु.प.-भारतीय पशु-चिकित्सा अनुसंधान संस्थान बेंगलूरू केंद्र के वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों; भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो बेंगलूरू केंद्र के वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों और ब्यूरो के समस्त वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए और सक्रिय रूप से कार्यशाला में भाग लेकर सफल बनाया। राजभाषा कार्यशाला में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को ब्यूरो के निदेशक महोदय और उप निदेशक (राजभाषा कार्यान्वयन) गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, भारत सरकार ने प्रमाण-पत्र वितरित करके प्रोत्साहित किया।

ब्यूरो के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, श्री जे. मैथ्यू के धन्यवाद प्रस्ताव के उपरांत कार्यशाला का समापन हुआ। इस हिंदी कार्यशाला का संचालन श्री सतेंद्र कुमार, मुख्य तकनीकी अधिकारी और राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य सचिव ने किया।

राजभाषा कार्यशाला
21 मार्च 2025

राजभाषा कार्यशाला
21 मार्च 2025
ICAR
NBAIR

राजभाषा कार्यशाला
21 मार्च 2025

भा.कृ.अनु.प.- राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो
ICAR - NATIONAL BUREAU OF AGRICULTURAL INSECT RESOURCES
P. B. No. 2491, H. A. Farm Post, Bellary Road, Hebbal, Bengaluru- 560 024

राजभाषा कार्यशाला
21 मार्च 2025
भा.कृ.अनु.प.- राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो
ICAR - NATIONAL BUREAU OF AGRICULTURAL INSECT RESOURCES
P. B. No. 2491, H. A. Farm Post, Bellary Road, Hebbal, Bengaluru- 560 024

राजभाषा कार्यशाला
21 मार्च 2025

राजभाषा कार्यशाला
21 मार्च 2025
NBAIR
ICAR

राजभाषा कार्यशाला
21 मार्च 2025
भा.कृ.अनु.प.- राष्ट्रीय
संसाधन ब्यूरो
ICAR - NATIONAL BUREAU OF AGRIC
INSECT RESOURCES
P. B. No. 2491, H. A. Farm Post,
560 024
ICAR
NBAIR

GUEST HOUSE
राजभाषा कार्यशाला
21 मार्च 2025